

रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी सरकार

प्रशासनिक संवाददाता
भोपाल, 23 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र स्पेस टेक नीति-2026 राज्य की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को फ्यूचर रेडी टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह नीति नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेगी। इससे मध्यप्रदेश भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का



लक्ष्य स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप-टेक जैसे उभरते सेक्टरों में निवेश को प्रोत्साहित करना, उच्च-कौशल रोजगार सृजित करना और मध्यप्रदेश को एक अग्रणी स्पेस टेक हब के रूप में स्थापित करना है। ऐतिहासिक रूप से प्राचीन भारत का ग्रीनविच कहे जाने वाले

उज्जैन डोंगला की खगोलीय विरासत को आधुनिक विज्ञान और एआई तकनीक से जोड़कर राज्य को अंतरिक्ष अनुसंधान के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

नीति के तहत डिजाइन-लिंकड इंसैटिव, प्रोटो टाइप विकास अनुदान, बौद्धिक संपदा आईपी प्रतिपूर्ति सहायता और स्टार्ट-अप और एमएसएमडी को प्रोत्साहित करने के लिए संरचित मैचिंग-फंड मॉडल शामिल किया गया है। नीति का क्रियान्वयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें एमपीएसडीसी नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

पूँजी निवेश पर 40% तक अनुदान

नीति में इन्फोस्ट्रक्चर और अनुसंधान एवं विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत स्पेस टेक मैन्युफैक्चरिंग पार्क, पर्यावरणीय एवं इएमआई/इएमसी परीक्षण सुविधाएं, प्रणोदन एवं वाइब्रेशन परीक्षण प्रयोगशालाएं, क्लीन रूम तथा सेटेलाइट सिमुलेशन, एआई मॉडलिंग और बिग-डेटा एनालिटिक्स के लिए उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। पात्र स्पेस-ग्रेड अधोसंरचना के लिए 40% तक पूंजी अनुदान और फोकस सेक्टरों के लिए प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने मप्र स्पेस टेक नीति-2026 का शुभारंभ हाल ही में मप्र क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026 में किया था। स्पेस टेक नीति-2026 एक समग्र और एंड-टू-एंड तकनीकी ढांचा प्रदान करती है, जिसमें अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी वर्गों का विकास किया जाएगा। नीति में उपग्रह एवं प्रक्षेपण यान निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस एवं एआई-आधारित उपग्रह डेटा विश्लेषण को शामिल किया गया है।

उड़ीसा से लाई गई युवती के सौदे का आरोप

भिण्ड, जिले के लहार क्षेत्र में युवतियों को बाहर से लाकर सौदा कर बेचने का मामला एक बार फिर सामने आया है। जैतपुरा गांव में उड़ीसा से लाई गई एक युवती को उसकी मर्जी के बिना बेचने का प्रयास किए जाने का आरोप है। ग्रामीणों की सतर्कता और युवती के साहस से यह साजिश नाकाम हो गई। बताया गया है कि उड़ीसा की युवती मदद के लिए असवार थाने पहुंची थी, लेकिन प्रारंभिक स्तर पर उसकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे 552 पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर एसडीओपी प्रवीण त्रिपाठी और तहसीलदार दीपक शुक्ला मौके पर पहुंचे।

ध्वज फहराने के लिए 9 मंत्रियों के जिले बदले

प्रशासनिक संवाददाता
भोपाल, 23 जनवरी. गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान जिला मुख्यालय में होने वाले मुख्य समारोह में ध्वज फहराने के लिये 9 मंत्रियों के जिले बदल दिये गये हैं।

कुछ मंत्रियों ने प्रभार के बजाय गृह जिले में ध्वज फहराने का आग्रह किया था, उसके बाद मंत्रियों के जिले बदल दिये गये हैं। मंत्री कुंवर विजय शाह अब खंडवा जिले में ध्वज फहराएंगे, वहीं उदयप्रताप सिंह नरसिंहपुर, एदल सिंह कंसाना मुरैना, चेतन्य काश्यप रतलाम, इंंदर सिंह परमार पन्ना जिले में ध्वज फहराएंगे। इसी तरह



राज्य मंत्रियों में कृष्णा गौर अब सीहोर, धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी दमोह, प्रतिमा बागरी सतना और राधा सिंह सिंगरौली में होने वाले समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। वहीं पटनी, दतिया, राजगढ़, मैहर, सीहोर और डिंडोरी में कलेक्टर ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे।

वाकणकर ब्रिज के समानांतर आकार ले रहा नया पुल

सिंहस्थ मेला क्षेत्र से कनेक्ट होगा यह ब्रिज

उज्जैन को मिलेगी ट्रैफिक से राहत
क्षिप्रा नदी पर निर्माण हुआ प्रारम्भ

नवभारतन्यूज
उज्जैन. सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत शहर को एक बड़ी सीमांत मिलने जा रही है। हरि फाटक से इंदौर रिंग रोड होते हुए दाऊदखेड़ी मार्ग पर क्षिप्रा नदी पर एक नया उच्च स्तरीय पुल बनाया जा रहा है। यह पुल वर्तमान में बने पुराने वाकणकर ब्रिज के समानांतर निर्मित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जहां 25 जनवरी को हरि फाटक ब्रिज की नई फोर लाइन शाखा का भूमि पूजन करने वाले हैं उसी स्थान पर सेतु विकास निगम यह ब्रिज बन रहा है। एमपीआरडीसी द्वारा हरि फाटक सड़क पर एक वृहद डीम बनाया गया है, जिसे पूरा तिरंगे बच्चों से सजाया संवारा जा रहा है 26 जनवरी के पहले गणतंत्र दिवस का आभास आयोजन में होगा।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र से होगा कनेक्ट-सेतु विकास निगम द्वारा क्षिप्रा नदी पर जो ब्रिज बनाया जा रहा



है ये नया ब्रिज हरि फाटक से दाऊदखेड़ी, जीवनखेड़ी और सिंहस्थ बायपास मार्ग तक आवागमन को आसान बनाएगा। सिंहस्थ महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु, साधु-संत और पर्यटकों के लिए यह पुल बेहद उपयोगी साबित होगा, जिससे मेला क्षेत्र तक पहुंचने में समय की बचत होगी।

जाम से मिलेगी मुक्ति-अक्सर हरिफाटक ब्रिज पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने में यह नया पुल मील का पत्थर साबित होगा। जाम की स्थिति में लोग दोनों ब्रिजों का उपयोग कर सांवरा खेड़ी, दाऊदखेड़ी, जीवनखेड़ी और सिंहस्थ मेला क्षेत्र की ओर आसानी

से निकल सकेंगे, जिससे यातायात का दबाव कम होगा।

नया पुल बनने से न केवल ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि उज्जैन को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। आवागमन सुलभ होने से व्यापार, पर्यटन और स्थानीय गतिविधियों को गति मिलेगी और लोग अपने गंतव्य तक कम समय में पहुंच सकेंगे। नवभारत से चर्चा में सेतु विकास निगम के कार्यपालिका यंत्र पीएस पंत ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सेतु शाखा द्वारा किया जा रहा है। परियोजना को सिंहस्थ 2028 की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है।

ब्रिज एक नजर में...

हरिफाटक से इंदौर रिंग रोड, दाऊदखेड़ी मार्ग पर क्षिप्रा नदी पर पुर्व में निर्मित पुल वाकणकर पुल के समानांतर नदीन उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति 64.99 करोड़ है. मे. श्री ब्रह्ममणी कस्ट्रक्शन, मेहसाणा, गुजरात द्वारा अनुबंध अनुसार कार्य किया जा रहा है. ब्रिज की पूर्णता समयावधि 18 माह (वर्षाकाल को छोड़कर) रहेगी.

इंदौर के बाद अब महु में भी दूषित पानी से फैला संक्रमण

25 लोग बीमार, इनमें सर्वाधिक बच्चे

स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर कर रही जांच

महु. इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैले संक्रमण के कारण मौतों का सिलसिला थमा नहीं है कि अब महु में भी दूषित पानी से संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं. यहाँ के पत्नी बाजार क्षेत्र की चंदर गली और मोती महल क्षेत्र में दूषित पानी से पीलिया और टाइफाइड फैलने का मामला गंभीर हो गया है.

पिछले 15 दिन में करीब 25 लोग बीमार हो चुके हैं. इनमें सबसे ज्यादा बच्चे शामिल हैं. शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र में पहुंची और घर-घर सघन सर्वे किया जा रहा है. कई घरों में बच्चों को पीलिया, उल्टी-दस्त, बुखार और कमजोरी की शिकायत मिली है. टीम तत्काल दवाइयों उपलब्ध करा रही है और गंभीर लक्षण वाले बच्चों को अस्पताल भेज रही है. कुछ परिवारों में एक से अधिक सदस्य संक्रमित पाए गए हैं. संक्रमण अभी पूरी तरह



नियंत्रण में नहीं आया है. स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे घरों को विशेष निगरानी में रखा है. वहीं, महु विधानसभा की डोंगरगांव ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली डीएचएल कॉलोनी में भी दूषित पानी की समस्या सामने आई है. सर्वे के दौरान टीम को क्षेत्रवासियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से नलों में बदबूदार और गंदा पानी आ रहा था. पाइपलाइन में लीकेज या नाली का पानी मिलने से संक्रमण फैला है. क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद जिम्मेदारों ने लापरवाही बरती और समय पर सुधार नहीं किया. वहीं मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया है.

मध्यप्रदेश में 24 घंटे में बारिश का अलर्ट

भोपाल, 23 जनवरी. मध्यप्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है. उत्तर प्रदेश और हिमालयी राज्यों में बर्फबारी के बाद सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब प्रदेश के मौसम पर भी दिखने लगा है.

अगले 24 घंटे के भीतर प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें होने की संभावना है. मौसम विभाग ने ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है. वहीं भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में नरमी बनी रहेगी. गुरुवार को राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहे. धूप कमजोर होने से गर्मी का असर कम रहा और ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा.

कार्यशाला कांग्रेस की विचारधारा न्याय और सामाजिक समरसता पर आधारित

शिविर का उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना

विशेष संवाददाता
भोपाल, 23 जनवरी. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को ग्वालियर चंबल संभाग को एक दिवसीय कार्यशाला 'नवसृजन संकल्प' के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण शिविर में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद किया.

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं को वैचारिक दिशा प्रदान करना रहा. कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव एवं सांसद राजेश जाटव, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री जयवर्धन



सिंह, लाखन सिंह यादव सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष तथा संगठन के अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

प्रशिक्षण शिविर के दौरान संगठन निर्माण, कार्यकर्ताओं की भूमिका, आगामी राजनीतिक चुनौतियों और जन मुद्दों पर सतत संघर्ष को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. पटवारी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के लिए मजबूती से संघर्ष करें और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं.

सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा न्याय के लिए है. उन्होंने पंचायत, वार्ड और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय, संवेदनशील और संघर्षशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि संगठन सर्वोपरि है और मजबूत संगठन के माध्यम से ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है.

आपकी प्रॉपर्टी की खोज यहाँ होगी खत्म

CREDAI PROPERTY SHOW 2026

JANUARY

~~23~~ | 24 | 25 | 26

प्रातः 11.00 से रात्रि 8.00 बजे तक

C21 एस्टेट ग्राउंड, एम.आर.10, दस्तूर डिलाइट के पीछे, इन्दौर

PLATINUM PARTNERS

GOLD PARTNERS

SILVER PARTNERS

PARTICIPATING DEVELOPERS